

03471

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

बी.एच.डी.ई.-107 : हिन्दी संरचना

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

(कुल का 70%)

नोट : खण्ड क में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए । खण्ड ख अनिवार्य है ।

खण्ड क

4×15=60

1. 'मुहावरा' शब्द का तात्पर्य बताते हुए उसके विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए ।
2. व्यंजन ध्वनियों की उच्चारणात्मक विशेषताएँ बताइए ।
3. हिन्दी की रिश्ते-नाते की शब्दावली का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ स्पष्ट कीजिए ।
4. देवनागरी लिपि के मानकीकरण की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

5. समस्त शब्द/पद की परिभाषा देते हुए उसके भेद बताइए ।
6. कोड-मिश्रण का आशय स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न कारणों की भी चर्चा कीजिए ।
7. देवनागरी लिपि के प्रमुख गुणों की चर्चा करते हुए उसके दोषों का भी उल्लेख कीजिए ।
8. समानार्थी शब्द की अवधारणा समझाते हुए पर्याय निर्धारण के आधार स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड ख

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 150 – 150 शब्दों में दीजिए : 2×5=10

- (क) प्रोक्ति-संरचना की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।
- (ख) 'विदेशी शब्द' को परिभाषित करते हुए कुछ उदाहरण भी दीजिए ।
- (ग) भाषा और समाज के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।
- (घ) भाषा और लिपि का परस्पर सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए ।
- (ङ) भाषा में अर्थ की महत्ता प्रतिपादित कीजिए ।

10. उपयुक्त उदाहरण देते हुए किन्हीं चार पर 100 – 100 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : 4×5=20

- (क) संकर शब्द
- (ख) अनुनासिकता
- (ग) समास
- (घ) हिन्दी वर्तनी की समस्याएँ
- (ङ) भाववाच्य
- (च) सामाजिक आचरण और सर्वनाम-प्रयोग
- (छ) हिन्दी भाषा की क्षेत्रीय शैलियाँ

11. निम्नलिखित शब्दों के उत्तर लगभग 50 – 50 शब्दों में दीजिए :

5×2=10

- (क) तत्सम शब्द किसे कहते हैं ?
- (ख) अनेकार्थी शब्द से आप क्या समझते/समझती हैं ?
- (ग) लोकोक्तियों की चार विशेषताएँ बताइए ।
- (घ) रूपिम का आशय स्पष्ट कीजिए ।
- (ङ) प्रत्यय की संकल्पना को सोदाहरण समझाइए ।
